प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 18 जनवरी, 2018 को सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इन्स्टीट्यूट, सी0जी0सिटी, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ में रेडियेशन आंकोलोजी/रेडियोथिरेपी विभाग के निर्माण के लिए भूमिपूजन मा0 चिकित्सा शिक्ष मंत्री जी आशुतोष टण्डन जी एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति तथा कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो0 मदन लाल ब्रह्म भट्ट के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर मा0 चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टण्डन जी ने अपने उद्बोधन में कैंसर जैसे असाध्य रोग जैसी बीमारी से बचने एवं उसकी रोकथाम हेतु अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर एक स्वस्थ्य दिन-चर्या अपनाने तथा तम्बाकू इत्यादि जैसे नशीले पदार्थो के सेवन से परहेज करने की सलाह दी। यह देखा जा रहा है कि शहरों के साथ-ही साथ अब गॉव एवं कस्बों से भी काफी अधिक संख्या में कैंसर के मरीज अस्पतालों में उपचार हेतु आ रहे है। कैंसर का अगर प्रारम्भिक अवस्था में ही पता चल जाए तो इसके ठीक होने की सम्भावना 80 से 95 प्रतिशत होती है, विदेशों में मरीज अपनी जागरूकता की वजह से अपना इलाज करा लेते है जबकि भारत में अभी भी लगभग 80 प्रतिशत मरीज कैंसर के स्टेज-3 और 4 में अपना इलाज कराने आते है। जिसकी वजह से उनके ठीक होने की सम्भावना कम हो जाती है। सम्पूर्ण भारत में मृत्यु के चार प्रमुख कारणों में से कैंसर एक प्रमुख कारण है। केवल उ0प्र0 में ही प्रतिवर्ष लगभग 2.50 से 3.0 लाख कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से ग्रसित होकर नए मरीज सामने आ रहे है जबकि सम्पूर्ण भारत में 12 से 13 लाख मरीज आते है। मा0 मंत्री जी ने यह अवगत कराया कि कैंसर जैसे असाध्य बीमारी के उपचार हेतु रेडियेशन आंकोलोजी/रेडियोथिरेपी विभाग एक अहम विभाग है।

पिछली सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के अन्तिम अवसरों में जल्दबाजी में बिना रेडियेशन आंकोलोजी/रेडियोथिरेपी विभाग की स्थापना किये ही दिसम्बर 2016 में सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान का उद्घाटन कर दिया गया था। जबकि कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के उपचार में 60-70 प्रतिशत मरीजों में रोडियोथिरेपी की अहम भूमिका होती है।

हमारी सरकार का गठन होते ही सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संसाधन, रेफरल और बुनियादी सुविधाओं के मामलें में एक उत्कृष्ठ नवीनतम उपचार सुविधा युक्त विश्वस्तरीय कैंसर संस्थान के रूप में स्थापित करने हेतु कटिबद्ध एवं निरंतर प्रयासरत है। हमारी सरकार के प्रयासों से रेडिएशन आंकोलॉजी भवन में स्थापित की जाने वाली उपकरणों को स्थापित किये जाने तथा बंकरों के निर्माण के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (ए0ई0आर0बी0), मुम्बई के समक्ष अप्रैल 2017 में आवेदन किया गया तथा हमारी सरकार एवं प्रशासन के प्रयासों से नियामक संस्थान द्वारा सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान के रेडियेशन आंकोलोजी विभाग में स्थापित किये जाने वाले उपकरणों को स्थापित किये जाने तथा बंकरों के निर्माण हेतु अनुमति दिसम्बर 2017 में प्रदान कर दी गयी है तथा निर्माण हेतु प्रस्तावित नक्शे को भी अनुमोदित कर दिया गया है। नियामक संस्था द्वारा रेडियेशन आंकोलोजी ब्लाक के निर्माण तथा मशीनों की स्थापना हेतु अनुमति प्राप्त होते ही अविलम्ब रेडिएशन आंकोलोजी ब्लाक के निर्माण का कार्य प्रारम्भ कराया जा रहा है। प्रथम चरण में एक साथ 08 रेडियेशन मशीने स्थापित की जायेगी जिस हेतु निर्माण कार्य का शुभारम्भ आज से प्रारम्भ हो गया है। प्रथम चरण में दो हाई एनर्जी लीनियर एक्सिलरेटर, टोमो थेरेपी तथा सीटी सिमुलेटर तथा एक हाई

डोज रेट ब्रकीथेरेपी मशीन स्थापित की जायेगी। न केवल उ0प्र0 अपितु सम्पूर्ण भारत के किसी भी संस्थान में इतनी अधिक संख्या में रेडियेशन मशीने स्थापित नहीं है। निर्माणाधीन रेडियेशन आंकोलोजी ब्लाक में चरण बद्ध तरीके से हाई एनर्जी लीनियर एक्सिलरेटर, साईबर नाईफ, हाई डोज रेट ब्रेकीथेरेनी, पेट सीटी, पार्टिकल बीम थैरेपी तथा एम0आर0आई0 लीनियर एक्सिलरेटर जैसे अत्याधुनिक मशीनों की स्थापना की जायेगी। मा0 मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कार्यदायी संस्था को भी यह स्पष्ट निर्देश निर्गत किये की रेडियेशन आंकोलोजी विभाग के निर्माण कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जायें तथा निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर सम्पन्न किया जाये। अंत में उन्होंने अपने सम्बोधन में यह कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि उ0प्र0 तथा केन्द्र सरकार की जनउपयोगी नीतियों के अनुसार विश्वस्तरीय सुविधाओं युक्त कैंसर संस्थान चिकित्सा पर्यटन का केन्द्र बनकर राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर कैंसर रोगियों को कैंसर के सम्पूर्ण उपचार के लिए आकर्षित करेगा जिसका सीधा लाभ जनमानस को मिल सकेगा।

कैंसर संस्थान के निदेशक तथा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0भट्ट जी ने अपने उद्बोद्धन में यह बताया कि आज का दिन सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान हेतु ऐतिहासिक दिन है। आज रेडियेशन आंकोलोजी विभाग के निर्माण का शिलान्यास मा0 मंत्री जी के कर कमलों द्वारा हो रहा है इसके लिए मै मा0 मंत्री जी का तहे दिल से आभार प्रकट करता हूँ और उनका स्वागत करता हूँ। प्रदेश सरकार विश्व स्तरीय सुविधाओं युक्त अतिविशिष्टता वाले सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इन्स्टीट्यूट का निर्माण प्रदेश की जनता के हित में करा रही है, जिससे न केवल उ0प्र0 के मरीजों को उ0प्र0 में उत्कृष्ठ उपचार की सुविधा प्राप्त होगी अपितु इसका लाभ सम्पूर्ण उत्तर भारत का जनमानस को प्राप्त होगा। मा0 निदेशक महोदय द्वारा मा0 मंत्री जी द्वारा अपने उद्बोधन में दिये गये मरीजों के ऑकड़ों के अनुक्रम में यह उद्बोधित किया कि यदि उ0प्र0 में प्रतिवर्ष आने वाले नये कैंसर रोगियों में यदि पुराने मरीजों की संख्या को भी जोड़ दिया जाये तो यह आकड़ा 05 से 06 लाख की संख्या से भी अधिक हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाईड लाईन के अनुसार इतने मरीजों के उपचार के लिए न्यूनतम 220 रेडियोथिरेपी की मशीने होनी चाहिए परन्तु प्रदेश में इसकी संख्या बहुत ही कम है। कैंसर स्थान में विश्वस्तरीय अत्याधुनिक मशीनों के साथ ही साथ विभिन्न कैंसर रोग सम्बंधी अतिविशिष्टताओं जैसे केन्द्रीय स्नयुतंत्र, सर और गर्दन, स्तर, छाती रोगों, गैस्ट्रो-आंत्र प्रसूति कैंसर रोग विभाग, बाल कैंसर रोग विभाग आदि विभागों की स्थापना की जाएगी जिससे यह कैंसर संस्थान देश का सबसे बड़ा कैंसर संस्थान बन जायेगा।

कार्यक्रम में अंत में संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0 ब्रिगेडियर देश पाल द्वारा धन्यबाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर लखनऊ सहित सम्पूर्ण उ0प्र0 के विभिन्न चिकित्सा शिक्षा संस्थानों के चिकित्सक एवं विशेषज्ञ तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहें।